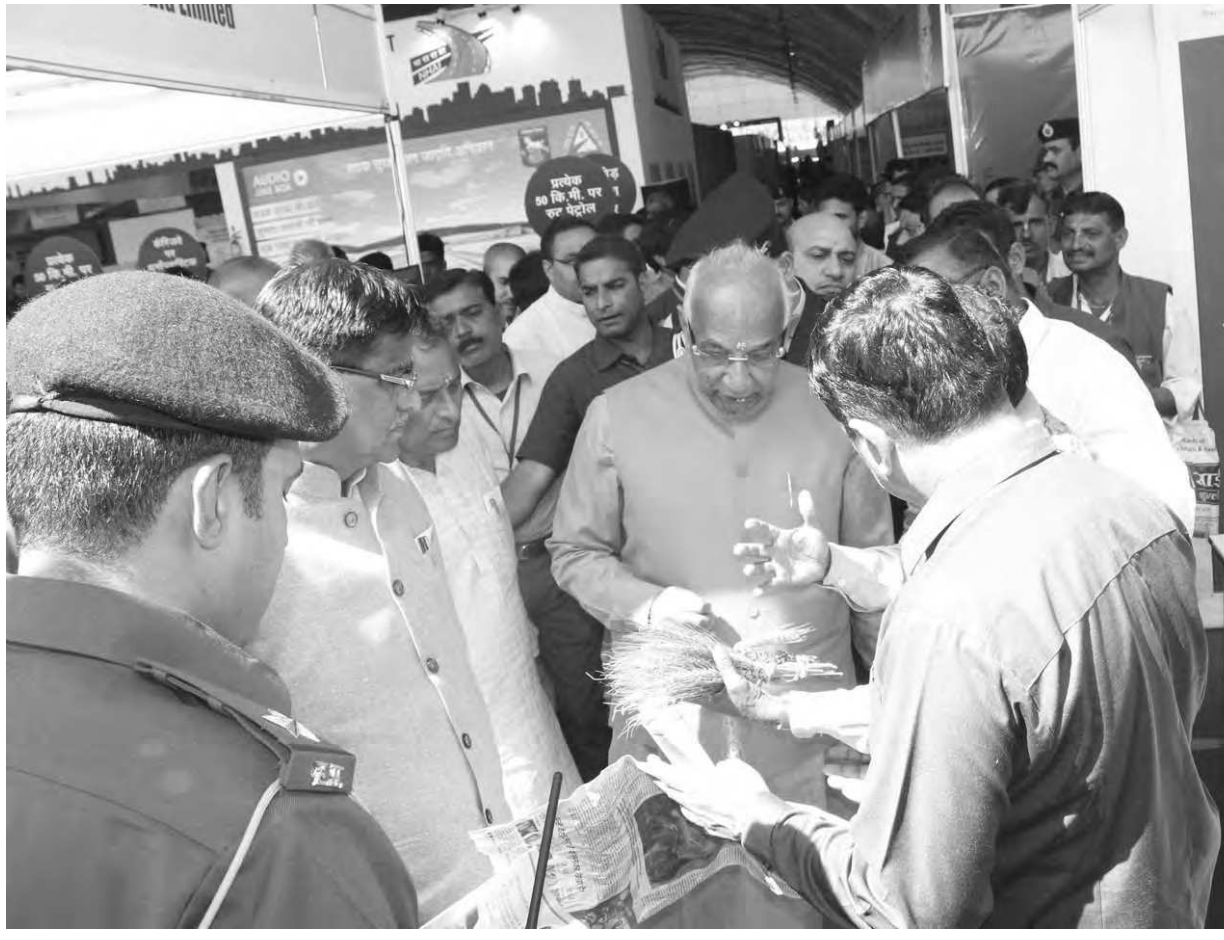

श्रीमती अर्चना चिटनिस, हरियाणा के ग्रामीण विकास मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ शामिल हुए। राष्ट्रीय संगोष्ठी में हरियाणा के राज्यपाल श्री सोलंकी ने अपने विचार व्यज्त करते हुए कहा कि हम सबलोग बहुत सौभाग्यशाली हैं, जो नानाजी द्वारा स्थापित इस संस्थान में इस विशाल ग्रामोदय मेले में शामिल होने का अवसर मिली। देश 1947 में आजाद तो हो गया, लेकिन ग्रामीण विकास की परिकल्पना को साकार रूप नानाजी ने दिया। आजादी के बाद महात्मा गांधी ग्रामीण विकास के कुछ ठोस आधार प्रस्तुत करते इससे पहले ही उन्होंने भौतिक शरीर छोड़ दिया। राष्ट्रऋषि नानाजी ने ग्रामोदय प्रकल्प की स्थापना कर दीनदयालजी के विचारों को प्रकल्प के माध्यम से साकार रुप देने का जो काम किया उसी की एक कड़ी चित्रकूट है। दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से नानाजी ने देश के चार अलग-अलग स्थानों पर मॉडल रुप में प्रकल्प खड़े किए। गोण्डा, बलरामपुर(उप्र) बीड़, नागपुर(महाराष्ट्र) चित्रकूट (उप्र-मप्र)। नानाजी के इस क्रियात्मक मॉडल से ही भारत उदय हो सकता है इसे आज हमारे कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी भी मानने लगे हैं।

ग्रामोदय मेले में लकड़ी से बना घरेलु उपयोग के सामान की दुकान सबको आकर्षित की थी। उज़रप्रदेश के सहारनपुर से आए इकराम ने बताया कि पहले दिन से ही दुकान पर ग्राहकों की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। उनकी दुकान में लकड़ी के बर्तन, रसोई के सामान, दीवार घड़ी, कलम और खिलौने सहित अन्य उपयोगी और सजावटी सामनों की खूब ब्रिकी हुई। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित ग्रामोदय मेला में कृषि प्रदर्शनी में जैविक खेती की विस्तृत जानकारी किसानों को दी गई। किसानों को बताया गया कि कैसे जैविक खेती करके उपज को बढ़ाया जा सकता है। केन्द्र तथा राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी में भी भारी भीड़ रही। केन्द्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग व जहाजरानी मंत्रालय, कौशल विकास मंत्रालय, केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के अलावा मप्र सरकार के लगभग सभी मंत्रालय से संबंधित